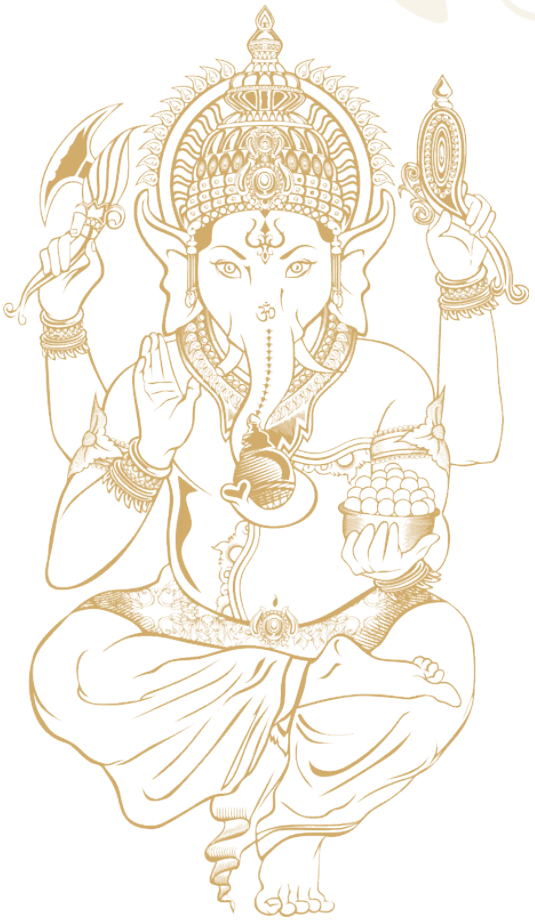

Jatika

17 Feb 2002

04:00 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121722703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/02/2002**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	24:01:54 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:10:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	01:59:44 घंटे
सूर्योदय	06:23:14 घंटे
सूर्यास्त	17:43:32 घंटे
दिनमान	11:20:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:42:00 कुम्भ
लग्न के अंश	12:55:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:55:25	312:01:43	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			कुंभ	04:42:00	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	00:24:09	11:56:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	27:25:51	00:42:58	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			मक	08:33:38	00:47:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	11:59:12	00:02:25	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	12:51:34	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			वृष	14:13:55	00:01:04	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	00:46:27	00:07:03	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	00:46:27	00:07:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	01:09:09	00:03:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	15:19:20	00:02:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:28:24	00:01:02	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मेष	08:13:28	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:57

लग्न-चलित

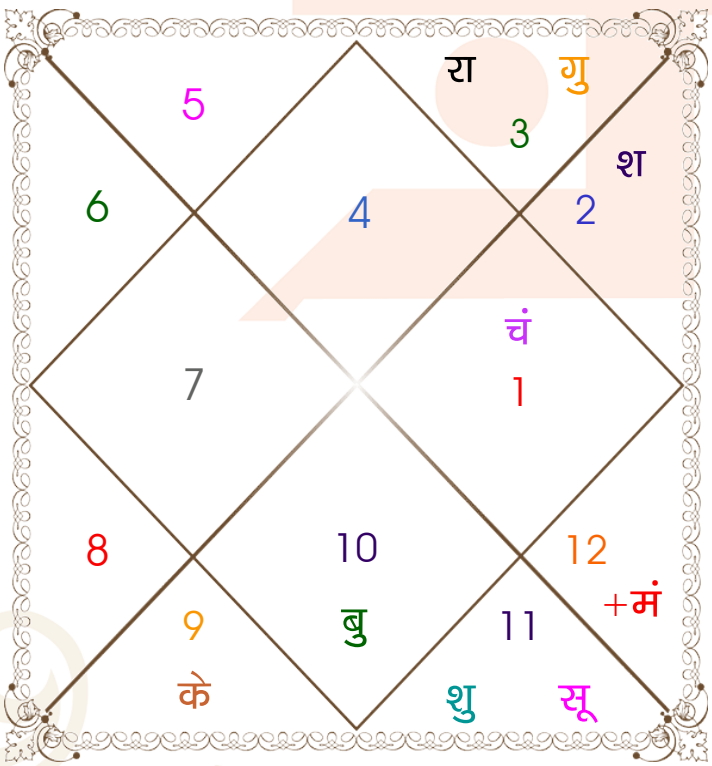

चन्द्र कुंडली

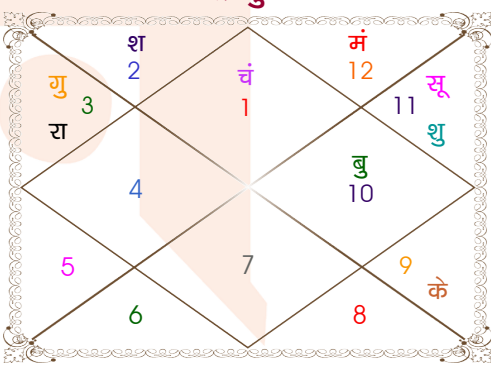

नवमांश कुंडली

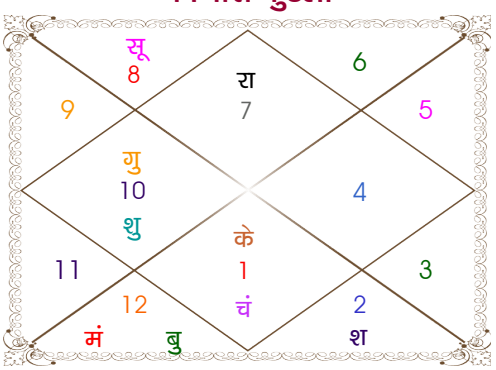

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 9 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/02/2002		02/12/2008		02/12/2028		02/12/2034		02/12/2044	
02/12/2008		02/12/2028		02/12/2034		02/12/2044		02/12/2051	
केतु	30/04/2002	शुक्र	02/04/2012	सूर्य	21/03/2029	चंद्र	03/10/2035	मंगल	30/04/2045
शुक्र	30/06/2003	सूर्य	02/04/2013	चंद्र	20/09/2029	मंगल	03/05/2036	राहु	18/05/2046
सूर्य	05/11/2003	चंद्र	02/12/2014	मंगल	26/01/2030	राहु	02/11/2037	गुरु	24/04/2047
चंद्र	05/06/2004	मंगल	01/02/2016	राहु	20/12/2030	गुरु	04/03/2039	शनि	02/06/2048
मंगल	01/11/2004	राहु	01/02/2019	गुरु	09/10/2031	शनि	02/10/2040	बुध	30/05/2049
राहु	20/11/2005	गुरु	02/10/2021	शनि	20/09/2032	बुध	03/03/2042	केतु	26/10/2049
गुरु	27/10/2006	शनि	02/12/2024	बुध	27/07/2033	केतु	02/10/2042	शुक्र	27/12/2050
शनि	06/12/2007	बुध	03/10/2027	केतु	02/12/2033	शुक्र	02/06/2044	सूर्य	03/05/2051
बुध	02/12/2008	केतु	02/12/2028	शुक्र	02/12/2034	सूर्य	02/12/2044	चंद्र	02/12/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/12/2051		02/12/2069		02/12/2085		03/12/2104		03/12/2121	
02/12/2069		02/12/2085		03/12/2104		03/12/2121		00/00/0000	
राहु	15/08/2054	गुरु	20/01/2072	शनि	05/12/2088	बुध	01/05/2107	केतु	18/02/2122
गुरु	07/01/2057	शनि	02/08/2074	बुध	15/08/2091	केतु	28/04/2108		00/00/0000
शनि	14/11/2059	बुध	07/11/2076	केतु	23/09/2092	शुक्र	26/02/2111		00/00/0000
बुध	03/06/2062	केतु	14/10/2077	शुक्र	23/11/2095	सूर्य	03/01/2112		00/00/0000
केतु	21/06/2063	शुक्र	14/06/2080	सूर्य	04/11/2096	चंद्र	03/06/2113		00/00/0000
शुक्र	21/06/2066	सूर्य	02/04/2081	चंद्र	06/06/2098	मंगल	01/06/2114		00/00/0000
सूर्य	16/05/2067	चंद्र	02/08/2082	मंगल	15/07/2099	राहु	18/12/2116		00/00/0000
चंद्र	13/11/2068	मंगल	09/07/2083	राहु	22/05/2102	गुरु	26/03/2119		00/00/0000
मंगल	02/12/2069	राहु	02/12/2085	गुरु	03/12/2104	शनि	03/12/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार की होंगी। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगी। आप अपने सम्पर्क की बहु संख्यक महिलाओं के मध्य प्रसिद्ध होंगी। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगी तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगी।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहती हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगी। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकती हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकती हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकती है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड़ जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपके पति एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपके पति के साथ अपराध उजागर कर सकती है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करती हैं तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकती हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार की स्त्री है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकती हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगीं क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहती हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनाना चाहेंगी। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आप अपनी इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहती हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगी।

कर्क राशि विद्यामान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है।